 6/04/2021 Dr. Raj Gopal,
Philosophy Department.

E तर्कवाक्य का परिवर्तन

(Dis 100%) (Dis 100%)

कोई S P नहीं है (E)

अत: कोई P S नहीं है। (E)

यह वैध अनुमान है 'E' तर्कवाक्य का परिवर्तन 'E' तर्कवाक्य ही होता है।

'E' तर्कवाक्य से 'E' निगमन हो सकता है तो 'O' भी हो सकता है क्योंकि 'O' 'E' में शामिल है। पर जहाँ पूर्णव्यापी वाक्य निगमन हो सकता है, वहाँ अंशव्यापी वाक्य आवश्यक होने पर ही निकालना चाहिए। अत: 'E' का परिवर्तित 'E' होता है।

I तर्कवाक्य का परिवर्तन (आर्वतत)

कुछ S P है (I)

अत:- कुछ P S है। (I)

यह वैध अनुमान है 'I' तर्कवाक्य का परिवर्तन 'I' तर्कवाक्य में होता है। जैसे - "कुछ स्नातक नौकरीपेशा है।" का परिवर्तन - कुछ नौकरीपेशा व्यक्ति स्नातक है।

'O' वर्ग वाक्य का परिवर्तन (Conversion of 'O' Proposition)

'O' वर्ग वाक्य का परिवर्तन वैध नहीं होता है।

कुछ S P नहीं है (O)

अतः- कुछ P S नहीं है (O)

यह अवैध अनुमान है क्योंकि पद 'S' निष्कर्ष में व्याप्त है लेकिन आधार वाक्य में अव्याप्त है। इस प्रकार 'O' वर्ग-वाक्य का परिवर्तन संभव नहीं है।

सारांश

- 'A' का परिवर्तन 'I' होता है।
- E का परिवर्तन 'E' होता है।
- I का परिवर्तन 'I' होता है।
- 'O' का परिवर्तन वैध नहीं है।

(2.) प्रतिवर्तन (Obversion)

प्रतिवर्तन साक्षात अनुमान का एक स्वतंत्र रूप है। प्रतिवर्तन के नियम निम्न है।

(i) आधार वाक्य का उद्देश्य पद निष्कर्ष का भी उद्देश्य होता है।

Scanned with CamScanner